फिल्मों व पार्टियों में हीरोइनों के हॉटेस्ट ट्रेंड्स ब्यूटी व हाई फैशन ग्लैम का बिखेरते रहते जलवा

बॉलीवुड ने साड़ी को दिया ट्रेंडी स्टाइल

फैशन और लाइफस्टाइल में तमाम बदलावों के बीच परंपरागत भारतीय परिधान साड़ी का ग्लैमर कभी कम नहीं होता। सदियों से साड़ी का क्रेज अपनी जगह पर कायम है। यह महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने वाला ऐसा परिधान है, जो कभी आउट आफ फैशन नहीं होता है। बॉलीवुड और फैशन डिजाइनर मिलकर इन्हें लगातार फिर से आकर्षक, ताजा, हल्का और पहनने लायक बनाते रहते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि बॉलीवुड सिर्फ साड़ी नहीं पहनता, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में साड़ी के एहसास को नए-नए आकार देता रहता है। सालों से तमाम अभिनेत्रियों ने फिल्मों में साड़ी पहनकर देसी और हॉट ग्लैमरस लुक के नए ट्रेंड्स बनाए हैं, और साड़ी जैसा परंपरागत पहनावा भी सेक्सी हो सकता है, इसे अपनी फिल्मों से साबित किया है।

सुंदरता की परिभाषा, आकर्षण का जादू जैसी सिल्क साड़ियां

कहते हैं, सिल्क की साड़ियां कभी पुरानी नहीं होती हैं। इन साड़ियों का जादू भारतीय सुंदरता को परिभाषित करने की ताकत हमेशा बनाए रखता है। दीपिका पादुकोण और रेखा जैसी अभिनेत्रियां लगातार याद दिलाती रहती हैं कि कांजीवरम सिल्क से बढ़कर कुछ नहीं है। चाहे वह शुद्ध सोने की जरी हो या महीन मुलायम पेस्टल धागे, ये साड़ियां हमेशा महत्वपूर्ण रहती हैं। हल्की, मुलायम और पहनने में आसान। रेखा का सुनहरे और लाल कांजीवरम साड़ियों का अंतहीन संग्रह इन साड़ियों के पुराने आकर्षण को बरकरार रखता है। शादी समारोह के मौके पर दुल्हनें आज भी सिल्क के गुलाबी, लाल या पेस्टल कलर के मनमोहक लुक को ही चाहती हैं।

प्रस्तुति : मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जरी ग्लास साड़ी फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट

- वर्तमान में जरी ग्लास साड़ी सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट बन चुकी है। इसकी एस्थेटिक ब्यूटी और एलिगेंस इसे हर खास मौके के लिए परफेक्ट बनाते हैं। आज जरी ग्लास साड़ी के लुका का बॉलीवुड से लेकर सोशल मीडिया तक हर कोई दीवाना है। जान्हवी कपूर, सोनम कपूर जैसी अभिनेत्रियों से लेकर फैशन इन्फ्लुएंसर्स तक, सभी इस ग्लैमरस साड़ी को अलग-अलग अंदाज में कैरी कर रही हैं। कंगना रनौत चुपचाप बनारसी सिल्क साड़ियों को वापस लाती रहती हैं। उनके लिए इसमें कोई झंझट नहीं, बस एक सादा ब्लाउज, भारी साड़ी और सिंपल बाल खूबसूरत लुक बना देता है। जब भी वो इसे पहनती हैं, बनारसी साड़ियों की बिक्री बढ़ जाती है। नए बनारसी डिजाइन भी हल्के रंगों पर केंद्रित हैं। धूल भरे गुलाबी, फीका पुदीना रंग, पुराने सुनहरे रंग, भारी-भरकम ब्रोकेड की बजाय छोटी बूटियां। पहनने में आसान, कम वजन, लेकिन आकर्षण वही।

रेड कार्पेट और अवॉर्ड नाइट्स में स्टाइलिश अंदाज सीक्विन साड़ी

- सीक्विन साड़ियों को बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फैशन में लोकप्रिय बना दिया है। रेड कार्पेट या अवॉर्ड नाइट्स के लिए अभिनेत्रियां सीक्विन वर्क की साड़ी पसंद करती हैं। कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर ने सिल्वर, शैंपेन और यहां तक कि काले रंग की चमकदार सीक्विन साड़ियां पहनी हैं। नोरा फतेही ने कई बार सीक्विन मैटेलिक साड़ी को अपने बोल्ड और फेमिनिन स्टाइल के साथ पेयर करके एक अलग लुक दिखाया है। दरअसल, ये साड़ियां रात के लिए हैं। बोल्ड तस्वीरों, स्पॉटलाइट और तेज संगीत वाली महफिल के लिए। इन्हें पारिवारिक समारोहों में नहीं पहना जा सकता। लेकिन ये ट्रेंड में इसलिए रहती हैं क्योंकि बॉलीवुड इन्हें जिंदा रखता है।

रॉयल, ग्रेसफुल पर सौम्य लुक देती है ट्रांसपरेंट ऑर्गेंजा साड़ी

ऑर्गेंजा साड़ियों को लाइटवेट और ट्रांसपरेंट फ्रैबिक होने के नाते अक्सर कैरी करती नजर आती हैं। यह साड़ियां रॉयल और ग्रेसफुल लुक प्रदान करती हैं। आलिया भट्ट ने ऑर्गेंजा साड़ियों की श्रृंखला के सौम्य चलन को जन्म दिया है। पारदर्शी और मुलायम ऑर्गेंजा साड़ियां वजन में हल्की होती हैं, लेकिन आकार बनाए रखती है। इन साड़ियों को प्लीट करना आसान होता है और ये बिना चिपके मुलायम होकर गिरती हैं। बॉलीवुड को ऑर्गेंजा साड़ियों में सेज ग्रीन, बटर येलो, सॉफ्ट लिलाक कलर ज्यादा पसंद आ रहे हैं। युवा अभिनेत्रियां थ्रेड वर्क या बिखरे हुए फ्लोरल प्रिंट वाले प्लेन ऑर्गेन्जा पसंद कर रही हैं। ऐसी साड़ियां दिन के समारोह, मेहंदी जैसी आयोजनों के लिए पसंद की जा रही हैं। मिनिमल मेकअप और सिंपल हेयर स्टाइल के साथ यह साड़ी नेचुरल ग्लो देती है।

लाइट मेकअप के साथ रफल्ड साड़ियां बनातीं अट्रैक्टिव लुक

शिल्पा शेट्टी और कैटरीना कैफ ने रफल्ड साड़ियों को पिछले साल पार्टियों की शान बनाया था। इससे पहले मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने सफेद रफल्ड साड़ी पहनकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरी थीं। सोनम कपूर, लारा दत्ता और माधुरी दीक्षित तक इन साड़ियों के प्रति दीवानगी दिखा चुकी हैं। रफल्ड साड़ियों के बॉर्डर पर लहरिया स्टाइल का लेस होता है, साड़ी बांधने पर यह लेस घूमकर पल्लू तक आता है, और अच्छा लुक देता। ये साड़ियां कॉकटेल नाइट्स, संगीत और शादी से पहले के कार्यक्रमों के लिए हैं। पेस्टल या मेटैलिक रंगों में रफल्ड जॉर्जेट साड़ियां नई और ताजा दिखती हैं।

इस सप्ताह रिलीज होने वाली फिल्में

'एक चतुर नार' है डार्क कॉमेडी थ्रिलर

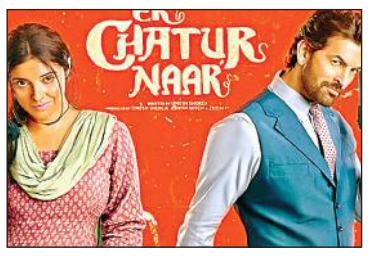

टी सिरीज की इस फिल्म में दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश दमदार किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है, जो काफी महत्वाकांक्षी और चतुर है। एक बड़े आदमी का निजी वीडियो हाथ लगने के बाद वह आगे बढ़ने के लिए इस वीडियो के सीढ़ी की तरह स्तेमाल करती है। फिल्म को लेकर दिव्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, नागिन और नेवले का वार देखने के लिए हो जाओ तैयार।

विदेशों में सराही गई 'जुगुनमा' अब पर्दे पर

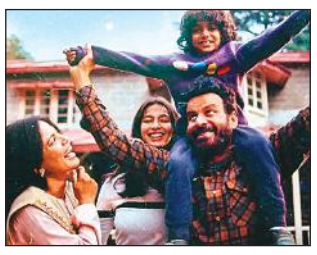

इस फिल्म को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहा जा चुका है। अब भारत में रिलीज की जा रही है। यह एक मैजिकल और रियलिस्टिक टाइप की पिल्म है, जिसमें मनोज बाजपेई प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 1980 दशक की है। इसमें जुगनू बने मनोज बाजपेयी रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। दीपक डोबरियाल, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू भी अहम किरदार में हैं।

'लव इन वियतनाम' एक रोमांटिक ड्रामा

यह फिल्म एक क्रॉस कल्चरल रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो भारत और वियतनाम की पृष्ठभूमि में बुनी गई है। अवनीत कौर तथा शांतनु मिश्रा की इस फिल्म ने चीन में इतिहास रच दिया है, यह वहां 10 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रेवर व राज बब्बर भी नजर आएंगे।

हीर एक्सप्रेस : दिल छू लेने वाला फैमिली ड्रामा

इस फिल्म में पंजाब से यूके जाने वाली लड़की हीर के सपनों की कहानी है, जहां उसे तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हीर के रोल से बालीवुड में दिविता जुनेजा डेब्यू कर रही हैं। हीरो के रोल में प्रीत कमानी हैं। आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर व संजय मिश्रा फिल्म को फैमिली ड्रामा बनाते हैं।

अभिनेता सौरभ शुक्ला बोले-थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम

जॉली एलएलबी 3 हंसाने के साथ करेगी सिस्टम पर चोट

बातचीत

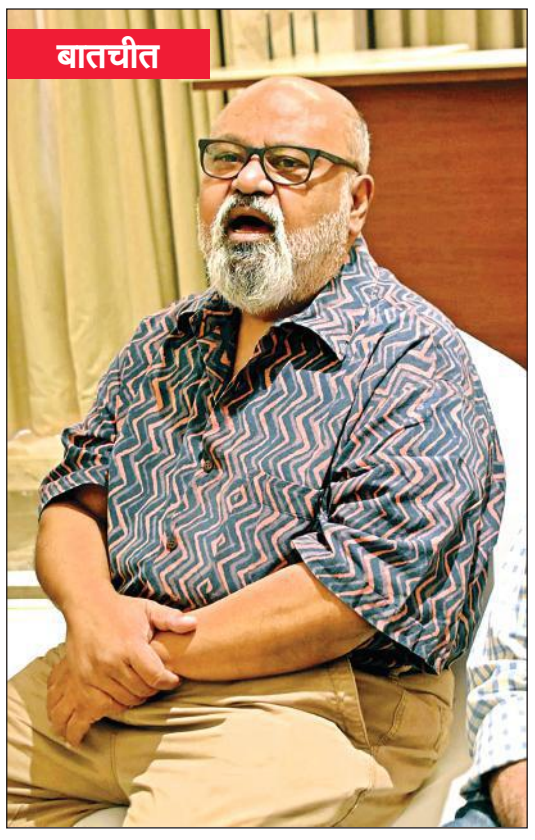

जॉली एलएलबी की दो फिल्मों की सफलता के बाद जॉली एलएलबी 3 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने बरेली आए अभिनेता सौरभ शुक्ला ने 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 पर चर्चा की। इस फिल्म में जज सुंदर लाल त्रिपाठी का दमदार किरदार निभाने वाले सौरभ ने बताया कि पिछली दो फिल्मों की तरह ये फिल्म भी लोगों को हंसाने के साथ सिस्टम पर चोट करेगी, क्योंकि फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर पेशे से पत्रकार रहे हैं, इसलिए मनोरंजन के साथ फिल्म दिखाने के अपने उद्देश्य से कभी नहीं भटकते हैं। बरेली के एक होटल में अमृत विचार से बातचीत में अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक के अभिनय, वर्तमान में थिएटर और अन्य माध्यमों के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने अपने नाटक 'बर्फ' के बारे में बताया कि इसका अभिनय वह 200 से अधिक बार कर चुके हैं, लेकिन पहली बार बरेलीवासी इससे रूबरू होंगे। यह एक थ्रिलर नाटक है, जिसमें रोमांच, रहस्य और पहेली का मिश्रण है। इस नाटक की स्क्रिप्ट एक सस्पेंस फिल्म के लिए लिखी गई थी, जो कश्मीर की बर्फीले वादियों में एक रहस्यमय गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की स्क्रिप्ट को नाटक में तब्दील करने का अर्थ था कि कश्मीर की वादियों के असल लुत्फ से दर्शकों को दूर ले जाना, लेकिन इस नाटक के विजुअल को थिएटर में भी जीवंत करने के लिए स्टेज डिजाइनर राहुल का हाथ है, जिन्होंने थिएटर में ही कश्मीर की बर्फ और सस्पेंस के माहौल को पैदा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। अभिनेता सौरभ ने बताया कि थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम हैं, इनसे किसी कलाकार के अभिनय पर फर्क नहीं पड़ता है। कंटेंट अच्छा है तो किसी भी माध्यम में लोगों को पसंद आता है।

सस्पेंस-थ्रिलर नाटक बर्फ से दर्शकों के दिलों में उतरेंगे

- अभिनेता सौरभ शुक्ला बरेली में अस्तिता फाउंडरेशन द्वारा ड्रॉपआउट्स और वेगमाइन सिटी मॉल की ओर से प्रभावे ऑडिटोरियम अर्बन हाट में आयोजित सात दिवसीय बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने आए हैं। यहां रविवार को वह सस्पेंस-थ्रिलर नाटक 'बर्फ' के जरिए दर्शकों के दिलों में उतरेंगे।

युवाओं को संदेश सीखने की ललक कम न होने दें

- सौरभ शुक्ला ने फिल्मी सितारों के स्टारडम पर कहा कि स्टारडम उसी का होता है, जिसे लोग पसंद करते हैं। यह कोई देने वाली वस्तु नहीं है, न ही कोई नई चीज है। हर दौर में ऐसे सितारे हुए हैं, जो अन्य से अधिक लोकप्रिय रहे। युवाओं को संदेश देते हुए बोले, हमेशा युवा बने रहें, अपनी सोच को सीमित और सीखने की ललक को कम न होने दें, यदि सीखना बंद कर देंगे तो बूढ़े होने लगेंगे।

आज भी रहती है थिएटर में परफार्मेंस की उत्सुकता

दिग्गज अभिनेता होने के साथ सौरभ शुक्ला मंझे हुए थिएटर कलाकार भी हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बरेली के लोगों से मिलकर प्रसन्नता हुई। वह किसी सामान्य कलाकार की तरह आज भी अपने नाटक की परफार्मेंस के लिए मेहनत करते हैं और दर्शकों के बीच जाने के लिए उत्साहित रहते हैं। किसी कलाकार को केवल तब प्रसन्नता होती है, जब उसकी कला को सराहना मिलती है। लोग उसे नाम से नहीं उसके काम से जानते हैं।

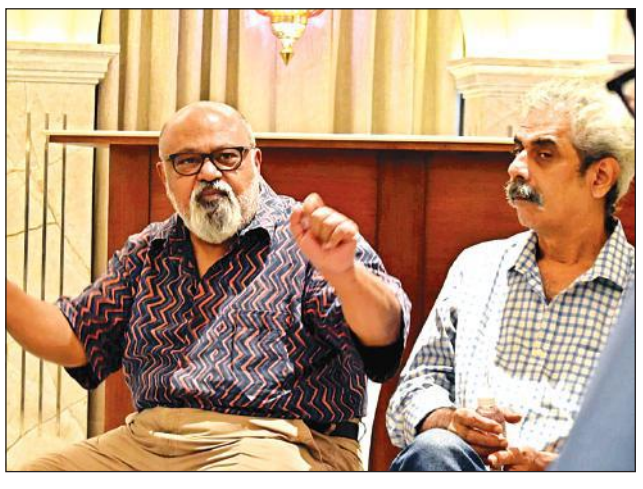

लेखिका: शब्या सिंह तोमर, बरेली

अरमानी माने फैशन की दुनिया में आसमानी क्रांति

फैशन इंडस्ट्री का किंग कहे जाने वाले जियोर्जियो अरमानी अपने पीछे सांस्कृतिक विरासत के साथ फैशन का इतिहास छोड़ गए हैं। 91 साल की उम्र में अरमानी का दो दिन पहले निधन हो गया। वह आधुनिक इतालवी शैली और शानो-शौकत के लिए जाने जाते थे। उन्होंने इटली को फैशन की दुनिया में नई ऊंचाई दी थी। अरमानी ने साहस दिखाते हुए लड़कियों को लड़कों और लड़कों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर साबित किया था कि फैशन की दुनिया में क्रिएटिविटी की कोई सीमा नहीं है। आधी सदी तक फैशन और स्टाइल की दुनिया पर राज करने वाले अरमानी को बेहतरीन डिजाइनर माना जाता था। उनके डिजाइन किए हुए कपड़े राजघरानों के सदस्य और मशहूर हस्तियां पहनने के लिए बेताब रहती थीं। अरमानी ने अपनी क्रिएटिविटी से एक नया ग्लोबल लाइफस्टाइल खड़ा किया। उन्होंने सिर्फ डिजाइनर आउटफिट्स ही नहीं परफ्यूम, होम डेकोर और दूसरी क्रिएटिव फील्ड में भी नाम कमाय। उनका मानना था कि लोग फैशनेबल नजर आने के चक्कर में खुद को कपड़ों से

लाद लेते हैं, जबकि ये गलत है। इसकी जगह लाइट परिधानों के साथ कंफर्ट का ध्यान रखकर भी स्टाइलिश नजर आया जा सकता है। अरमानी ने 1970 में ऐसा ट्रेंड सेट किया कि जिसका पूरी दुनिया के ड्रेसिंग स्टाइल पर असर पड़ा। उन्होंने हॉलीवुड के रेड कार्पेट पर भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई। जोड़ी फॉस्टर की 1992 की ऑस्कर लुक से लेकर जूलिया रॉबर्ट्स तक, कई बड़ी हस्तियों ने उनके द्वारा डिजाइन किए गए परिधान ही पहने। उनके सूट्स और गाउन्स ने रेड कार्पेट फैशन को पूरी तरह बदल दिया। अरमानी के बाद रेड कार्पेट पर लग्जरी ब्रांड्स का कम्पटीशन बढ़ गया। लेकिन अरमानी फैशन की दुनिया में ब्रांड के साथ रईसी और एलीगेंस की पहचान बना रहा।

फीचर डेस्क, कानपुर